गोगुंदा में आदमखोर पैंथर का आतंक जारी, वृद्धा का शिकार किया

पैंथर ने 15 किमी. का पहाड़ी रास्ता तय कर पांच गांवों में 10 दिन में 6 जनों को शिकार बनाया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के गोगुंदा थाना क्षेत्र के गुर्जरों का गुढ़ा गांव में आदमखोर पैंथर ने शनिवार शाम वृद्ध महिला का शिकार कर लिया। दस दिन में आदमखोर पैंथर का यह छटा शिकार है। पैंथर एक ही लंबी पहाड़ी के सहारे आगे से आगे बढ़ता जा रहा है, आदमखोर पैंथर ने दस दिन में छाली गांव से गुर्जरों का गुढ़ा तक करीब 15 किलोमीटर का पहाड़ी रास्ता तय कर इस बीच पांच गांवों में 6 लोगों का शिकार किया है।

छह मौतों के बाद भी वन विभाग पिंजरों के भरोसे बैठा है और वनक्षेत्र के अन्य पैंथर को पिंजरों में आता देख खुश हो रहा है। वहीं आदमखोर पैंथर हर दूसरे दिन मानव शिकार कर रहा है। आदमखोर पैंथर इतना आक्रामक हो चुका है कि वह अब घर में घुसकर लोगों का शिकार कर रहा है। पैंथर वन विभाग की तैयारियों को धता बताकर लगातार चकमा दे रहा है। पुलिस उपअधीक्षक गजेन्द्र सिंह राव के अनुसार पैंथर ने गुर्जरों का गुडा निवासी 55 वर्षीय महिला गट्टूबाई पत्नी मोतीलाल गुर्जर का शिकार कर उसे मार दिया है। गट्टूबाई पति मोतीलाल के साथ गुर्जरों का गुडा गांव में आबादी बस्ती से एक किलोमीटर दूर एक मगरे पर बने घर में रहती थी। शनिवार दोपहर मोतीलाल गांव में बस्ती की तरफ काम से आया था। मगरे पर बने घर में गट्टूबाई अकेली थी। शाम को मोतीलाल घर लौटे तो गट्टूबाई नहीं मिली। मोतीलाल की सूचना पर सैकड़ों ग्रामीण इकट्ठे होकर पहुंचे और जंगल के अंदर तलाश शुरू की। जंगल में 400 मीटर अंदर पहले महिला की साड़ी का कुछ हिस्सा मिला फिर उसके एक दो गहने और चप्पल दिखी, फिर खून पड़ा दिखा। ग्रामीण उसी दिशा में आगे बढ़े तो झाड़ियों में महिला का शव मिल गया। शव को बुरी तरह से नोच-नोच कर खाया गया था। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने शनिवार दोपहर 12 बजे गोगुन्दा मार्ग अवरुद्ध कर दिया जिसे समझाइश के बाद सुचारू करवाकर कर वृद्धा का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द किया गया।

इससे पहले देर रात को वन विभाग की ओर से गांव में पिंजरा नहीं लगाने और अधिकारियों के मौके पर नहीं पहुंचने से ग्रामीण नाराज हो गए थे। गुस्साए परिजन के साथ सैकड़ों

- **गोगुंदा इलाके में छाली ग्राम पंचायत के बाघदड़ा गांव में चौथा पैंथर पिंजरे में कैद हुआ, यह वह जगह है, जहां एक सप्ताह पहले पैंथर ने खेत में बैल का शिकार किया था**

ग्रामीण मजाम रोड पर शव को लेकर धरने पर बैठ गए। रात 2 बजे तक धरना चलता रहा। गोगुंदा थाना पुलिस जाब्ता और तहसीलदार कैलाश इनाणिया मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों को समझाया। तब जाकर मामला शांत हुआ। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि 18 से 28 सितंबर के बीच तीन ग्राम पंचायतों के 5 गांवों में आदमखोर पैंथर 6 लोगों का शिकार कर उन्हें मौत के घाट उतार चुका है। यह आदमखोर पैंथर एक ही पहाड़ी के सहारे आगे से आगे बढ़ रहा है और 18 सितंबर से 28 सितम्बर तक छाली के उंडीथल से गुर्जरों का गुढ़ा तक 15 किलोमीटर का रास्ता तय कर गोगुंदा की तरफ बढ़ रहा है।

जानकारी के अनुसार 19 सितंबर सुबह आठ बजे उंडीथल गांव की रहने वाली किशोरी कमला का हाथ, मुंह खाया हुआ शव झाड़ियों में मिला था। 19 सितंबर शाम को भेवडयिा गांव के खुमाराम गमेती को पैंथर ने अपना शिकार बनाया। 20 सितंबर सुबह मलारिया खुर्द गांव की महिला पर हमला किया। उसने भागकर अपनी जान बचाई। 20 सितंबर शाम को उमरिया गांव की हमेरी भील को पैंथर ने शिकार बनाया। 25 सितंबर शाम सात बजे मजावद ग्राम पंचायत के कुडाऊ गांव की भील बस्ती की 5 साल की बच्ची को पैंथर लेपर्ड ने मार डाला। 26 सितंबर दोपहर तीन बजे झाडोल के सरणा फला में 50 साल के शंकर को पैंथर ने मार डाला था। इसी क्रम में 28 सितंबर रात सवा नौ बजे गुर्जरों का गुढ़ा गांव की 55 साल की गट्टू बाई का शव घर से 300 मीटर दूर पहाड़ी पर मिला।

इधर शनिवार देर रात जिले के गोगुंदा इलाके में छाली ग्राम पंचायत के बाघदड़ा गांव में चौथा पैंथर पिंजरे में कैद हुआ। यह वह जगह है, जहां एक सप्ताह पहले पैंथर ने खेत में बैल का शिकार किया था। रविवार सुबह छह बजे गांव के सरपंच गणेशलाल सहित 4-5 ग्रामीणों ने पैंथर को पिंजरे में कैद देखा। वह पिंजरे में गुर्रा रहा था। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी। विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहां से पैंथर को सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क लाया गया। यहां वेटरनरी डॉक्टर पैंथर की जांच करेंगे। इसके बाद वन विभाग इसे यहां रखने या फिर सुरक्षित छोड़ने को लेकर निर्णय लेगा। इससे पहले 23 सितंबर की रात छाली ग्राम पंचायत के उमरिया गांव में दो अलग-अलग पिंजरों में दो पैंथर कैद हुए थे। वहीं, 27 सितंबर को देर रात मजावद ग्राम पंचायत के कुडाऊ गांव की भील बस्ती के पास पिंजरे में एक पैंथर कैद हुआ था। गोगुंदा के राणा गांव में रविवार दोपहर करीब 12 बजे एक महिला पर पैंथर ने हमले का प्रयास किया। चुनकी बाई पत्नी भंवरलाल खेतों में घास काट रही थी। यहीं पास में एक पैंथर झाड़ियों में घात लगाकर बैठा था। जैसे ही वह महिला की ओर बढ़ा महिला चिल्लाते हुए भागी और अपनी जान बचाई।

बीकानेर के जवान रामस्वरूप कस्वां का पांच दिन बाद अंतिम संस्कार हुआ

प्रशासन ने गार्ड ऑफ ऑनर की सहमति दी, परिवार को 50 लाख की आर्थिक सहायता और पत्नी को संविदा पर नौकरी की मांग मानी

बीकानेर, (निसं)। जिले के पांचू क्षेत्र के जवान रामस्वरूप कस्वां का मौत के पांच दिन बाद अंतिम संस्कार किया गया। जवान को शहीद का दर्जा दिलाने और अन्य मांग को लेकर चार दिन से चल रहा धरना रविवार दोपहर डेढ़ बजे खत्म हो गया। प्रशासन ने गार्ड ऑफ ऑनर के लिए सहमति दे दी। इसके साथ ही परिवार को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता और पत्नी को संविदा पर नौकरी दी जाएगी। इसके बाद रामस्वरूप कस्वां के शव को अंतिम संस्कार के लिए सम्मान के साथ पांचू गांव रवाना किया गया। जहां उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार हुआ। इससे पहले, रविवार सुबह जयपुर-बीकानेर नेशनल हाईवे-11 खोल दिया गया था।

बीकानेर के जवान रामस्वरूप कस्वां (24) की 25 सितंबर को अनंतनाग में गोली लगने से मौत हुई थी। प्रारंभिक तौर पर सामने आया था कि ऑन ड्यूटी फायरिंग के दौरान जान गई, जिसे बाद में सुसाइड बताया गया। शव मिलिट्री कैंट एरिया (बीकानेर) में स्थित सरकारी अस्पताल में ही रखा हुआ था। इधर, शनिवार रात 12 बजे

- **बीकानेर के जवान रामस्वरूप कस्वां की (24) की 25 सितंबर को अनंतनाग में गोली लगने से मौत हो गई थी**

तक करीब एक हजार लोग धरना स्थल म्यूजियम सर्किल पर जुटे थे। धरने में पहुंचे नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा था कि सारी मांगें सरकार के सामने रख दीं, अब तो लाठी-भाटा हो सकती है। बेनीवाल ने जवान के भाई श्रीराम कस्वां से बात की। रात 12 बजे तक बेनीवाल वहीं रहे। जवान रामस्वरूप कस्वां को शहीद का दर्जा देने की मांग को लेकर बीती रात प्रदर्शनकारी म्यूजियम सर्किल पर रखे सेना के टैंक पर चढ़ गए थे।

नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने 28 सितंबर को दो बार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और प्रदेश सरकार में सैनिक कल्याण मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ से बातचीत की। डेढ़ घंटे तक प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मीटिंग भी हुई, लेकिन तब सहमति नहीं बन सकी थी। जवान को शहीद का दर्जा देने को लेकर बीकानेर शहर के म्यूजियम सर्किल पर नेशनल हाईवे 11 के बीच टैंट लगाकर धरना लगाया गया था, जिसे रविवार सुबह वार्ता में मांगों पर बनी सहमति के बाद हटा लिया गया।

बीकानेर-जयपुर नेशनल हाईवे बंद होने के कारण बड़ी संख्या में लोग परेशान रहे। रामस्वरूप कस्वां के भाई श्रीराम कस्वां ने बताया कि आम जनता की परेशानी को देखते हुए सिर्फ रास्ता खोला गया। धरना वहीं पर जारी रहेगा। आज सुबह घर के सभी लोग नेशनल हाईवे के पास ही धरने पर बैठे थे। म्यूजियम चौराहा पिछले तीन दिन से पूरी तरह बंद था। ऐसे में वाहनों की संख्या अन्य रास्तों पर बढ़ गई थी। अंबेडकर सर्किल पर दबाव बढ़ा हुआ था।

जिला कलेक्टर नमृता वृष्णि और एसपी कावेंद्र सिंह सागर आज जवान रामस्वरूप कस्वां के गांव पांचू पहुंचे थे। इस बारे में बातचीत में एसपी सागर ने कहा कि परिवार के लोगों से मुलाकात की। इसके बाद परिजन की मांगों पर सहमति बनी।

झुंझुनूं में हो सकता है भाई वर्सेज भाई का मुकाबला!

पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा।

पूर्व विधायक रणवीर सिंह गुढ़ा।

झुंझुनूं। झुंझुनूं विधानसभा का उप चुनाव प्रस्तावित है। जहां पर भाई वर्सेज भाई का चुनाव भी देखने को मिल सकता है। जानकारी के अनुसार एक तरफ पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा खुद को उप चुनावों के लिए प्रत्याशी घोषित कर इलाके में सक्रिय है तो वहीं अब उनके भाई पूर्व विधायक रणवीर सिंह गुढ़ा ने भी झुंझुनूं में सक्रियता बढ़ा दी है। साथ ही भाजपा की टिकट भी मांग रहे हैं। वे लगातार भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के अलावा क्षेत्र में सक्रियता के साथ दौरे कर रहे हैं। जिससे राजनैतिक गलियारों में कयास लगने शुरू हो गए है कि हो सकता है कि दोनों भाई चुनावों में पहली बार आमने-सामने हो जाए।

पूर्व विधायक रणवीर सिंह गुढा ने कहा कि उन्होंने विधानसभा चुनावों में भाजपा ज्वाइन की थी। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने उन्हें विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा में शामिल करवाया था। जिसके बाद उन्होंने विद्याधर नगर विधानसभा में दिया कुमारी के लिए प्रचार-प्रसार किया। जिसका परिणाम यह रहा कि दिया कुमारी रिकॉर्ड तोड़

- **पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा खुद को प्रत्याशी घोषित कर इलाके में सक्रिय**
- **मेरा परिवार भाजपा है, जिसे भी टिकट मिली जिताएंगे : रणवीर सिंह गुढ़ा**

वोटों से चुनाव जीती। अब भी वे चाहते हैं कि भाजपा सभी सातों विधानसभा सीटों पर प्रस्तावित उप चुनाव में जीत दर्ज करें। अपनी टिकट दावेदारी पर रणवीर सिंह गुढ़ा ने कहा कि बतौर कार्यकर्ता वे टिकट मांग रहे हैं, लेकिन पार्टी जिसे भी टिकट देगी उसके लिए वे जी-जान से मेहनत करेंगे। इस मौके पर रणवीर सिंह गुढ़ा ने अपने भाई राजेंद्र सिंह गुढ़ा के सामने चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा कि उनका परिवार भाजपा है, उनका पहला और आखिरी मकसद भाजपा के प्रत्याशी के लिए जी-जान लगाकर उसे जिताना ही रहेगा।

थाने के समीप अधेड़ का शव मिला

करौली, (निसं)। करौली कोतवाली से मात्र 100 मीटर दूर नई सब्जी मंडी क्षेत्र में एक व्यक्ति का संदिग्ध अवस्था में शव मिला। जिसका पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

मृत पड़े युवक की सूचना के बाद करौली कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी ली। पुलिस ने मृतक की पहचान के प्रयास किए। बाद में मृतक का शव करौली हॉस्पिटल की मॉर्चुरी में रखवाया जहां मृतक की पहचान भरतलाल जाटव निवासी लेदौर खुर्द के रूप में हुई है। कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

करौली हॉस्पिटल पुलिस चौकी एएसआई बृजराज शर्मा ने बताया कि नई सब्जी मंडी क्षेत्र में एक युवक का शव पड़ा होने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। साथ ही मृतक की पहचान के प्रयास किए लेकिन असफल रहे। मृतक के शव को करौली हॉस्पिटल की मॉर्चूरी में रखवाया।

इस दौरान मृतक के परिजन अस्पताल पहुंचे। जहां उन्होंने मृतक की पहचान भरतलाल जाटव 51 पुत्र पांच्या जाटव निवासी लेदौर खुर्द के रूप में की। परिजनों ने बताया कि मृतक का पुत्र अस्पताल के मेल मेडिकल वार्ड में 27 सितंबर को भर्ती हुआ था। परिजन पुत्र को लेकर शनिवार को वापस चले गए लेकिन मृतक भरतलाल घर नहीं पहुंचा। रविवार प्रातः नई सब्जी मंडी में शव पड़ा मिला है।

ट्रैक्टर ने दो मासूम भाइयों को टक्कर मारी, एक की मौत, एक घायल

मृतक के परिजनों एवं ग्रामीणों ने बच्चे के शव को लेने से इंकार किया, आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की

भरतपुर, (निसं)। कुम्हेर थाना क्षेत्र के गांव जया में टैक्टर से कुचलने के चलते एक सात वर्षीय बालक की मौत हो गई। वहीं उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया, जिस पर कुम्हेर थाना पुलिस ने मृतक के शव का जिला आरबीएम अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया, लेकिन स्थिति उस वक्त बिगड़ गई जब मृतक के परिजनों एवं स्थानीय गांव के निवासियों ने बच्चे के शव को तब तक लेने से इंकार कर दिया जब तक पुलिस आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर ले।

कुम्हेर थाना पुलिस ने परिजनों को समझाने का भरसक प्रयास किया कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा, लेकिन परिजन मानने को तैयार नहीं हुए। सूचना पर जाटव समाज के राजकुमार पप्पा सहित कई प्रतिनिधि भी अस्पताल में पहुंच गए। भीम आर्मी के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रवीण कबीर ने भी मामले की मौके पर पहुंचकर जानकारी ली। गांव के लोगों ने पुलिस को साफ कर दिया कि जब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो जाती वे बच्चे के शव को नहीं लेंगे। पुलिस व ग्रामीणों के बीच गतिरोध बना रहा, जिसके बाद पीड़ित परिजन अपने गांव के करीब पांच दर्जन महिला पुरूषों के साथ जिला आरबीएम अस्पताल से पैदल ही करीब तीन किलोमीटर पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन

गांव जया में ट्रैक्टर से कुचलने से एक बालक की मौत के बाद परिजनों एवं ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया।

करते हुए आईजी कार्यालय पहुंच गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए मथुरा गेट थाना प्रभारी करण सिंह, कोतवाली थाना अधिकारी रामरूप, सेवर थाना एसएचओ अनिल जसौरिया पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंच गए, जहां प्रशिक्षु आईपीएस पंकज ने गांव के लोगों को समझाइश कर बताया कि पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है, जिसे जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस का जाप्ता भी तैनात करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद गांव के लोग माने और मृतक बालक के शव को जिला आरबीएम अस्पताल से लेकर अपने गांव पहुंचे। मृतक बालक रोहिन के पिता सुघढ सिंह ने बताया कि वह मजदूरी का कार्य करता है, जिस पर वह बाहर मजदूरी करने गया था। उसे पता चला कि गांव के ही एक व्यक्ति ने उसके बच्चों पर ट्रेक्टर चलाकर कुचल दिया, जिसमें उसके पुत्र रोहिन की मौत हो गई। वहीं दूसरे पुत्र कान्हा के पैर में फ्रेक्चर आ गया। उसने बताया कि आरोपी ट्रैक्टर चालक ने घर के चबूतरे पर ट्रैक्टर चढ़ाकर उसके पुत्र की हत्या की। फिलहाल पुलिस मामले के अनुसंधान में जुटी हुई है। आरोपी पंकज ट्रैक्टर को छोड़कर फरार हो गया था। पुलिस ने मामले में आरोपी के परिजनों को डिटेन किया है। मृतक रोहिन के परिजनों ने बताया है कि आरोपी युवक पंकज के परिवारजनों ने 25 सितम्बर को भी झड़प की थी, जिस पर पहले राजीनामा हो गया था लेकिन उन्हें तब यह नहीं पता था कि बात यहां तक पहुंच जाएगी।

शाही रेल पैलेस ऑन व्हील्स जैसलमेर पहुंची

जैसलमेर, (नि.सं.)। स्वर्णनगरी में पर्यटन सीजन के आगाज के बाद पहियों पर महल के रूप में विख्यात शाही रेल पैलेस ऑन व्हील्स जैसलमेर पहुंची। इस बार यह शाही रेल नए लुक के साथ पर्यटकों को लेकर जैसलमेर पहुंची है। इस साल के पहले फेरे के तहत जैसलमेर पहुंची इस शाही रेल से स्वर्णनगरी भ्रमण पर आए पर्यटकों का जैसलमेर रेलवे स्टेशन पर भव्य स्वागत किया गया। इस शाही रेल के पहले फेरे में कुल 31 पर्यटक जैसलमेर पहुंचे हैं, जिनमें 19 विदेशी और 12 भारतीय पर्यटक शामिल है।

- **पहले फेरे में कुल 31 पर्यटक जैसलमेर पहुंचे हैं, जिनमें 19 विदेशी और 12 भारतीय पर्यटक शामिल है**

जैसलमेर टूरिस्ट गाइड एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुण पुरोहित ने बताया कि जैसलमेर के लिए बड़े ही सौभाग्य की बात है कि शाही रेल अपने फेरे के दौरान जैसलमेर पहुंची है। हम सभी यह चाहते हैं कि आने वाले समय में पैलेस ऑन व्हील्स में ज्यादा से ज्यादा सैलानी जैसलमेर आएं और अन्य शाही ट्रेनें भी यहां आएं। जिससे स्वर्णनगरी को विश्व स्तर पर और अधिक पहचान मिल सके और पर्यटक जैसलमेर को निहार सके। इससे यहां के पर्यटन व्यवसाय का भी विकास होगा और हर आदमी को रोजगार मिल सकेगा।

बांस की खेती पश्चिमी राजस्थान की तस्वीर बदल सकती है!

बीकानेर, (निसं)। बांस की खेती पश्चिमी राजस्थान की तस्वीर बदल सकती है। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में करीब ढाई महीने पहले बांस की 11 विभिन्न प्रजातियों के करीब 200 पौधे लगाए गए। शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र में बांस की खेती की संभावनाओं को तलाशा जा रहा है। शोध के प्रारंभिक लक्षण उत्साहित करने वाले हैं। बांस के पौधों में अच्छी ग्रोथ देखी जा रही है।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि कृषि महाविद्यालय बीकानेर ने राष्ट्रीय बांस मिशन के तहत 'शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बांस: एक प्रारंभिक प्रयास' परियोजना केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय को भेजी थी जिसका भारत सरकार से अनुमोदन मिलने पर नवसारी कृषि विश्वविद्यालय गुजरात और देहरादून के भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान से बांस की 11 विभिन्न प्रजातियों के करीब 200 पौधे मंगवा कर लगाए गए। कुलपति ने बताया कि कुल 47 लाख के बांस प्रोजेक्ट का उद्देश्य पश्चिमी राजस्थान की शुष्क जलवायु में बांस की वृद्धि और उत्पादन का अध्ययन करना है। साथ ही शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र में उपयुक्त बांस प्रजातियों की पहचान करना है जो इस क्षेत्र की जलवायु व मृदा के उपयुक्त हो। यह भी देखा जाएगा कि पौधों के बीच आपसी दूरी कितनी रखी जाए कि पौधे की अधिक से अधिक ग्रोथ हो और किसान की आय बढ़े।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने

- **एसकेआरएयू: शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र में बांस की 11 विभिन्न प्रजातियों के 200 पौधे लगाकर शोध किया जा रहा है**
- **'47 लाख के बांस प्रोजेक्ट का उद्देश्य पश्चिमी राजस्थान की शुष्क जलवायु में बांस की वृद्धि और उत्पादन का अध्ययन करना है'**

बताया कि बांस की खेती किसानों को आर्थिक दृष्टि से भी फायदेमंद रहेगी। बांस से हस्तशिल्प (चटाई, टोकरी, उपकरण, खिलौने व बर्तन) का सामान और फर्नीचर आदि बनाये जाते हैं। इसके उत्पादों में वैल्यू एडिशन से किसानों को अतिरिक्त आय होगी। उन्होंने बताया कि बांस पर्यावरण प्रदूषण को भी कम करता है। साथ ही जल स्तर बढ़ाने में सहायक है। मिट्टी की वाटर होल्डिंग कैपेसिटी भी बढ़ाता है। उन्हे विश्वास है कि बांस की खेती भविष्य में पश्चिमी राजस्थान के किसानों की आर्थिक उन्नति का कारण बनेगी। कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता और उद्यान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पीके यादव ने बताया कि बांस की खेती राजस्थान के लिए नई नहीं है। बांसवाड़ा में बांस की खेती पहले से होती आ रही है। लेकिन पश्चिमी राजस्थान की शुष्क जलवायु और कम पानी में बांस की कौनसी प्रजाति आसानी से उगाई जा सकती है, इसकी संभावनाओं को तलाशा जा रहा है। शुष्क क्षेत्र में बांस जैसी नई फसल स्थापित होने से किसानों को एक और अतिरिक्त आय प्राप्त हो सकेगी।

डॉ. पी.के. यादव ने बताया कि बांस एक बहुउपयोगी, मजबूत, नवीकरणीय और पर्यावरण-अनुकूल पौधा है और पृथ्वी पर सबसे तेजी से बढ़ने वाला काष्ठीय पौधा है। पूरे जीवन में यह 25 मीटर या उससे अधिक की लंबाई तक बढ़ता है। बांस को हर साल पुनः लगाने की आवश्यकता नहीं होती। 3 से 5 साल के चक्र में स्थायी रूप से काटा जा सकता है। बांस अविकसित और खराब भूमि, ऊँचे भूभाग, खेत की मेड़ों व नदी किनारों पर भी उगाया जा सकता है और इसकी फसल में कम पानी की जरूरत पड़ती है। कृषि विश्वविद्यालय में भी बूंद बूंद सिंचाई प्रणाली के जरिए इसमें सिंचाई की जा रही है।

डॉ. यादव ने बताया कि तीन वर्षीय कार्ययोजना के तहत बेहतर प्रदर्शन करने वाली बांस प्रजाति का चयन और उनका नर्सरी में बड़े पैमाने पर गुणन किया जाएगा। साथ ही किसानों व अन्य हितधारकों को प्रशिक्षण, किसानों के खेत में बांस का प्रदर्शन इकाई स्थापित करना और बेहतर प्रदर्शन करने वाली बांस प्रजातियों का किसानों के खेत में रोपण किया जाएगा।

केकड़ी जिले को यथावत रखने की मांग, दूसरे दिन भी केकड़ी बंद रहा

बार एसोसिएशन आज सरकार की सदबुद्धि के लिए यज्ञ करेगा, शहर में रैली निकालेगी

केकड़ी, (निसं)। केकड़ी से जिले का दर्जा छीनने की कयासों के बाद से केकड़ी में हर वर्ग में सरकार के प्रति आक्रोश व्याप्त हो गया है। जिला बचाओ अभियान के तहत बार एसोसिएशन के आव्हान पर लगातार दूसरे दिन केकड़ी कस्बा पूरी तरह से बंद रहा। बार एसोसिएशन के जिला बचाओ आन्दोलन को दर्जनों व्यापारिक व सामाजिक संगठनों ने समर्थन दिया है जिससे जिला बचाओ आन्दोलन तेजी बढ़ रहा है। ,

जानकारी के अनुसार केकड़ी जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर त्यौहारी सीजन के बावजूद व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखी। सदर बाजार सहित अन्य इलाकों में बंद का असर देखा गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने केकड़ी, सांचौर सहित छोटे जिलों को हटाने के बयान दिया था। पिछले दिनों ही केकड़ी एसपी का स्थानांतरण कर चार्ज अजमेर एसपी को देने के बाद से ही केकड़ी में लोगों में आक्रोश व्याप्त है। जिले को हटाने की अटकलों के चलते पिछले चार दिनों से बार एसोसिएशन सहित विभिन्न संगठन आंदोलनरत हैं। शनिवार को बार एसोसिएशन के

केकड़ी जिले को तथावत रखने की मांग को लेकर धरना जारी रहा।

आव्हान पर केकड़ी को पूर्णतया बंद रखा गया था। रविवार को भी बार एसोसिएशन के आव्हानन पर बंद रखा गया है। बंद को दो दर्जन से अधिक संगठनों ने समर्थन दिया है। लोगों ने स्वेच्छा से अपने-अपने प्रतिष्ठान बंद रखें। दुकानों के ताले लटके रहे।

इधर बार एसोसिएशन का उपखण्ड कार्यालय के बाहर लगातार तीसरे दिन धरना प्रदर्शन जारी रहा। इस मौके पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामअवतार मीणा, मोहम्मद सईद नकवी, हेमन्त जैन, रामसिंह राठौड, सांवरलाल चौधरी, अर्जुन सिंह शक्तावत, भूपेन्द्र सिंह राठौड, सीताराम कुमावत, हेमराज कानावत, योगेश कोरवानी, शिवप्रकाश चौधरी आदि मौजूद थे। केकड़ी जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर रविवार को बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने आन्दोलन को आगे बढ़ाने की आगामी रणनीति बनाई। एसोसिएशन के अध्यक्ष रामअवतार मीणा ने बताया कि अधिवक्ताओं द्वारा सोमवार को सुबह 10 बजे कचहरी परिसर से घण्टाघर तक रैली निकाली जायेगी तथा केकड़ी हृदयस्थल घण्टाघर पर सरकार की सदबुद्धि हेतु यज्ञ किया जाएगा। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मीणा ने बताया कि अधिवक्ता लगातार पांचवे दिन सोमवार को भी न्यायिक कार्य का बहिष्कार करेंगे। उन्होंने बताया कि जब तक सरकार की और से कोई ठोस आश्वासन नहीं मिलता तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

कलेक्ट्रेट के बाहर चार दिनों से आन्दोलन जारी :- वहीं दूसरी केकड़ी जिले को यथावत रखने की

- **जिला बचाओ आन्दोलन को दर्जनों व्यापारिक व सामाजिक संगठनों ने समर्थन दिया है**

मांग को लेकर पिछले चार दिनों से केकड़ी जिला बचाओ आंदोलन रविवार को भी जारी रहा। बार एसोसिएशन की और से तीसरे दिन भी एसडीएम कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन जारी रहा। इस मौके पर जिला बचाओ समिति के संरक्षक भंवरलाल जाट, पूर्व पुलिस उपनिरीक्षक ज्ञान देव शर्मा, पूर्व कृषि अधिकारी रामचन्द्र मीणा आदि ने सरकार को आगाह किया कि केकड़ी जिले से सरकार छेड़छाड़ करती है तो जनता की नाराजगी के परिणाम सरकार को भुगतने होंगे। इस मौके पर धरने पर समिति संयोजक रामावतार सिखवाल, अध्यक्ष रणजीत सिंह केशावत, तहसील अध्यक्ष नन्दलाल गुर्जर, रेगर समाज अध्यक्ष पूरणमल झारोटिया, खुशी सोनी, लक्ष्मी नायक, सज्जन सिंह राठौड़, रामप्रसाद उपाध्याय, अब्दुल सलीम गौरी, महावीर रेगर, द्वारका प्रसाद चन्देल आदि मौजूद थे।